

[illegible]



या न दयकलस्य संस्कृतवागीमंजरी वृधयति नयनि सन हिनक २४॥  
धनयायमाला ॥ ॥ कवलं वेदिकानां भुग्विदमनिद्रुसुनी। स्वस्यायासन  
संस्कृतं निर्मितान्नविदुः ॥ कवलं भुग्विदसुन नवलं यथा कवलं वेदिकं  
दसमं उरुविद्यविद्यमया दत्तं यथायजि यं कया न। तिनं धसंस्कृत  
वागीमंजरी नाम ग्रंथं दत्तं यावदाह गृहिणा वदयका ॥ ॥ गदः  
सिग विरुक्तादि कलं कर्म क्रिया वयं। नाना यदार्थसिद्धार्थ मनया वृ  
द्धा नखिलं ॥ धसंस्कृतवागीमंजरी सयकान नाम दव आदि गद परिसिग

श्रीसिग नयं सकलिंग सिद्धादि सिद्धादि विरुक्ति कलं कर्म क्रिया श्रवय  
नाना ननकयदया श्रुथं नामया श्रुथं सकलनी वृमययायजि यव ॥ ॥ पा  
नत्रा नखविदुषां कलं कर्म यरुवे न। उकमासायपर्यन्त मक्ति नल्लम  
॥ ॥ खिलं ॥ या न ४ कालसंथं नि स आनमया दाव संधा कालनां पञ्चन झा  
नीयनि स गृहिणा कर्म यायमाल उलिसकलं कथं ॥ धसंस्कृतवागी  
मंजरी स द्वाद नया द ॥ ॥ उकि पल्युकि रि ४ किं वि लीप्यं वा ग्विनादि  
न। गद कल्य वि लो स वं वक्त मा ग मदी यन ॥ श्री पत्र पनि क्ति पति



सन वाग्बिनादन झाडाखं उरुन विया खं सैक यन घन सा लया विधि मा  
कासक लेरु झाय गु लय का नग किन झाय रुदा ॥ ॥ रुदा ह ॥ उ उ लि झा  
न ॥ ॥ क म्बि डा क्क ॥ उ उ ॥ का ल ग य ना दू ला य प्रा रु ॥ का ग दि कं य ० सु न  
सि र्यं य ह्यु चि वा न ॥ सु र्दि नं वा क्क न उ उ ॥ का ल स सु थं का र्पा ला सा न द द  
व सु थं धा ल य गु लि झा रु पा ० या स थ उ क ला रु या रु धा स ॥ ॥ अ यि म या  
दी र्घ गी का र्थ ग म्भ न ग म्भ मु द कं द हि क न या द वि ष म ध नार्थ मृ लि का च  
द या ॥ अ य म न रु डि दी र्घ गी का सु र्वा हि न य या रु डा न न नार्न सु र व रु या व

वि डा सा हा रु डि सि ल या रु र्वा वि य मा ल ॥ ॥ रु डि उ के रु या अ टि रि उ रु  
य उ ल रु रि रु उ ल या र्जं द र्क क न या द वि ष म ध नार्थ मृ लि का च द रु ॥ थू  
नि झा र्वा सि उ अ उ या क ला न न रु ना सु र्न द रु व सु र व न घा य ल थ रु व ल  
ख थं स रु या व वि ल सा हा रु डि सि ल या रु र्वा रु या व वि ल ॥ ॥ रु या न न  
व ष म्भे वा दि कं वि ध य पी ष म्भे वि लि त्वा क न या दी य का ल य द रु का रु न  
द रु ना वि ष म्भे य न रु डि य म्भे वा व ॥ उ व ल स उ अ रु वा रु र न ष म्भे व आ दि  
या रु व का य नि स रु क उ या व सा हा रु डि सि ल वा व वा व सा सि न वा व या



व अथवासाव दुर्न कलानया कला ॥ ॥ अथिययसि ॥ अथमनका ॥ ॥  
 अथमया मजिका साना नार्थ गम्यत ॥ धनिकि मजिक कलिका साना नया यन  
 उत ॥ ॥ हुरु साना मया दहि ॥ ननाने माल कय सामा हया वविडा ॥ ॥  
 अथ उद कया उदहि ॥ कायी माहाया विडा ॥ ॥ अर्थयारु ॥ अर्थी ॥ ॥ अडा  
 कमासिका ॥ अडा कमासा ॥ ॥ विरुजिका ॥ विरुज ॥ ॥ दवना चनयठिका  
 ॥ दवयडा ससथसं पिलाया ॥ ॥ निर्न नात्रिक लं व ॥ हामल नलि काल ॥  
 ॥ ॥ ददत्व ॥ विडा ॥ ॥ अना निमाद्युमानहि ॥ धुनिव मुन नाने हयविडा

॥ ॥ पुनसुयायन ॥ हने उया कलानन धास ॥ ॥ त्वना किमर्थ क्रियत ॥  
 हमा सुकृ अर्थन वाय ॥ ॥ अरुदी यमु नासि ॥ धनमन मद्र ॥ ॥ अर्थकात्र  
 गद किमपिन दग्धत ॥ त्वनिर्नय ल्कर्ण रुविशति ॥ अर्थकात्र रुया व अरु क  
 सुकृ विर्न वमु खन मद्र ननान हयक गथ क्रियिडा ॥ ॥ अकि उक स  
 फिसका धनाह ॥ धुनि कलानन धाव वल स वाक्क रान नमया याव कला  
 त ॥ ॥ अं उकि वदहि ॥ अत्र अमिसा कृ खं कला ॥ ॥ मम साना नय का  
 ला कि कुमा जायन ॥ ॥ उ सानया वला विधिना ॥ ॥ संधा समया गक



नि॥ संध्यायावेसविधिना॥ ॥ रुक्मींस्ति त्वा त्वना कथं न क्रियते ॥ नान  
मवाह्यसुमकचादाव हनासर्न गत्य मया ॥ ॥ ॥ लूक नया सर्वं द  
रुं ॥ धूमिरालनानध्यायानसि ॥ अक्रमिमान सकलता व मुं हया वविला ॥  
पुनः क्रिय मवाच ॥ हर्न कला न या न धास ॥ ॥ अयि नूय म हत्य व  
निष्ठ नि ॥ अयमनं द्वा धनि न उ पर्व काल रुया वधान ॥ ॥ अय कथि  
डा क्रम नि मनु गी य ॥ धनि सुक्किर्न वा क्रम नि मनु गी य मास ॥  
॥ ॥ नवजामाना आया ह्य नि ॥ कनजिल उग्रव ॥ ॥ नवजामा आग

वृत्त ॥ कन ददाथ उले ॥ ॥ नवज उग्र य ह्या न्यायां तु ॥ कन ददा या  
माया गी थ उले ॥ ॥ नव ह्य सुत्र य ह्या न्ययि आयां तु ॥ कन नना या क  
हया माया गी थ उले ॥ ॥ नव सुषाया ॥ आ का न ग मर्थ डा क द हि न  
नं संधय ॥ कन रुलि वान या न नान ध्याय क्का उ ॥ ॥ ॥ नि उ  
क स क्रिय न ॥ सा ह ॥ धूमि वा रु ध क लाल नान द्वा स न सि हर्न उ अ क्र मि  
सान द्वा स ॥ ॥ न हि रु व न म पि उ उ ग्र य ल मा का न गी यं ख ल ॥ अ  
सा क स पा ल स कि जा या कार्य वान स ख ल ॥ ॥ ॥ नि न या क पुन ॥



सायाह ॥ धृति मिसान ध्यान लिहने उा क्रवा क्रगन धल ॥ ॥ नस्या  
रुकेस्य किं ॥ उभावाया दूरव ॥ ॥ ननिमिल किं विमिष्टं कलुयीरु  
विद्यति ॥ उभावाया निमिलिन कु विमिष्ट उयल दयक मालि उा ॥ ॥  
सर्वेषा मधुसाधक ४ आयास्यति ॥ सकल उा उा धस उा भावा दूर  
उा यिव ॥ ॥ पुन ४ सावरा ध ॥ हने उा क्रमिसान धल ॥ ॥ विद्वति  
इने वयुक्त नमी आधु र्यन ॥ सखरुति रुति मूढा वयुख लि घायल द  
न ॥ ॥ नस्या रुकेस्य गगना नरुवतु ॥ उा क्रभावाया त्याख नथा म

माल ॥ ॥ नहि अय रुष्टं किं विधय ॥ मसाधनि नक या नरु क दयक ॥  
॥ ॥ पुन ४ साह ॥ पुन धन धल ॥ ॥ यमन सिस्राया स्यति न कुन ॥ ग्वगुलि कुन  
मनस उा उा उा लिघा उा ॥ ॥ सावाह ॥ मिसान धल ॥ ॥ नहि उय साम ग्री आ  
नेया ॥ मसा उयक नग सामा हय माल ॥ ॥ नहि नया क वा क्रग आह ॥ धृति  
कला नन द्वा स लिवा क्रगन धल ॥ ॥ नहि धूत माका नय ॥ मसा काय स  
सति ॥ ॥ ॥ रुक सावरा ध ॥ धृति रुल नान धस नलि उा क्रवा क्रगी न धल ॥  
॥ ॥ सय निदिना वरु न ॥ उा काय जा हल उा यका व ची न उ नि ॥ ॥ ॥ रुक



सपूनत्राह ॥ धूमिकलागनधायोसि हनेत्राकगनधाल ॥ ॥ अयि विथय  
ऊंभाद्यमूलायय ॥ अयमनंदा कायननानेथदा ॥ ॥ अयकसापूनवका  
ष ॥ धूमिरालगनधायोसि अकवाकगीनहनेधाल ॥ ॥ सउरुवस्यदला  
उवमिष्ठमि ॥ कायजाकसयालसधायोसि ददावधान ॥ ॥ हवहिभववा  
धिरय ॥ कसयालपनिहनेथसविष्णायमाल ॥ ॥ अमिठयाक धून  
सनाथसह ॥ धूमिकलागनधायोसि हनेत्राकगनधमनेधाल ॥ ॥ अ  
नवलीवर्द्धमीद्यमूलिष्ठ ॥ अनाहस ननानेदद ॥ ॥ पुराणंजान ॥ सु

थंरुला ॥ ॥ उमावत्कालीकिनिडिगासि ॥ धवजगालकायददावधान ॥  
॥ ॥ आसत्यंरुदि ॥ आसत्यगालकि ॥ ॥ अयकसमिष्ठ ॥ हवमूलिष्ठ ॥  
धूमिववूनधायोसि अकायक ननानेदन ॥ ॥ कनोमसयित्वाविनयान्  
पुनम्यपिठन ॥ अमिठवानु ॥ लाहानिपीआजसयाव विनयनप्रममया  
दावववूयाद्वनददावधान ॥ ॥ ननठयिताआह ॥ डानेसि ववूनध  
ल ॥ ॥ अयमयमहसहस्ययाजनमिष्ठमि ॥ अययुथनिष्ठसुनडा  
धदसादयावधान ॥ ॥ ह्वंआयगीनकुडयसामग्रीमानहि ॥ कुंयस



सप्तद्विनि सामामालकाकायावहिता ॥ ॥ निविगुत्तक पूजायाह ॥ थ  
निववनधायानलि कायनेधस ॥ ॥ नहिमूडिकाठवृकादया ॥ माह  
नविद्यमासमखुवा विद्यमास ॥ ॥ पूनः विना नमाह ॥ हनेवव  
नकाययानेधस ॥ ॥ अने अने ४ पूने गक ॥ अने पून अने ४ पून स  
द्विनि ॥ ॥ गजदात्रुमरुषानिष्ठि ॥ अने अने ४ पून सधु कनि सु सिंया  
वंपाद ॥ ॥ नमधुजा ननूय संप्रदाहि ॥ ॥ ३ वंपायादने लूंया स  
पट लूंया नवलनानद ॥ ॥ नदन ४ सुव सुमूडिका नऊ नमडि

कावदुपनिष्ठि ॥ ॥ ३ संपट यादने लूंया माह नडा हाया मोहन  
काद ॥ ॥ ना सुनऊ नमूडिका दयं गहा ॥ ॥ ३ उलि माहन सडा हाया  
माहन निगुलिकाडा ॥ ॥ पून सुसर्व नाद गवस्का यनीय ॥ ॥ हने ३ मा  
हन सकल रुत थं याद थं नया वनिडा ॥ ॥ यथल नमूडिका दयः  
गहीला हहा यलगक ॥ ॥ सिपन सडा निमाहन ३ डाव अष्ट हहा  
यग सुद्विनि ॥ ॥ वडु सुहाय गला मूषक माधवजी हहा न वि  
हय ॥ ॥ वडु सुहाय गला सडा डाव मूषक माधवजी धया क्रया हहा स



ॐ भास्वरनमुसियां उवागयाव ॥ ॥ रुक्काः कृत्वा यद्यदयं कृत्वा  
नरुक्काः ॥ उवागयावकायां लिखुलिखुलिखुमासुतां  
लिखुलिखुकां ॥ ॥ इति पिता उक्तं पृथग्वदति ॥ थूनि वं वृन्  
धसं लिखायनं धस ॥ ॥ हायिन ४ किं किं गृह्णामि न ददध्वं ॥ इव  
वृक्षः कृक्षवमुकाय उलिखा सविष्ठाकृते ॥ ॥ ननु ४ यिना न माह  
॥ उनी लिखवृन् ॥ अक्रकायया न ह्लास ॥ ॥ नूनं श्राद्धो वसिष्ठ ४ श्रा  
परागत्वा न ब्रूयन् सार्धं गच्छ कदर्यं ग्रामं ॥ नूनं पूजकायां वसि

याया वसलसुतां वसाधस नसनत्याकां ॥ ॥ नदध्वं मुदिकाः  
या ४ रुविष्ठा ॥ उलिखलया मूलभास्वरया वद्विहयिता ॥ ॥ सिताग  
कृत्वा ग्रामं ॥ नायवसाखलकायमास ॥ ॥ हिं गृह्णं ॥ हिं कायमा  
स ॥ ॥ उनी काग्रामं ॥ उनी कायमास ॥ ॥ मनीयकाग्रामं ॥ मलय  
कायमास ॥ ॥ हनिडाध्वं ग्रामं ॥ हसलिध्वं कायमास ॥ ॥ कुम्भकं  
ग्रामं ॥ ग्वयं कायमास ॥ ॥ एलाग्रामं ॥ एलाकायमास ॥ ॥ सर्वगमनिग्र  
कानि ॥ लवठकायमास ॥ ॥ जानीरुलानिग्रामानि ॥ जिनस्थलं का



यमास ॥ ॥ जागी यर्जय कृष्णनी ॥ जाय यर्जय दत्ता काडी ॥ ॥ खदिनीमा  
विहसत्र ॥ खयल लूमलमं कमर ॥ ॥ कर्षुनाग्र अक्ष ॥ कयल कायमा  
स ॥ ॥ कसूनीग्र अक्ष ॥ कसूल कायमास ॥ ॥ कूर्कमं ग्र अक्ष ॥ कगनी  
कायमास ॥ ॥ नायनाग्र अक्ष ॥ गल्लायन कायमास ॥ ॥ दग्गं गधूपा  
ग्र अक्ष ॥ धूपास कायमास ॥ ॥ नजय (जयट) गध्विन गध्वमयुक्तं गहा  
रा ॥ अनयसलस कायमाससथ ठाका न काडी ॥ ॥ उद्धमाय पिष्टीग्र  
अक्ष ॥ उद्धमाय दिवा वरया तुलिकाडी ॥ ॥ यान्यानुग्रह कान्या प्राधितान्

नानु गहारा ॥ उतुलि उतुलि गम कपठ कदरुडा तुलिडा तुलिकाडी ॥ ॥  
गुनर गम अक्ष ॥ गुनन कायमास ॥ ॥ उतु कन्द्याग्र अक्ष ॥ नायवहिका  
डी ॥ ॥ कर्कटिकारुलं ग्र अक्ष ॥ तुलिकाडी ॥ ॥ कृष्णा तुलिकाग्र अक्ष ॥ राय  
वरुलिकायमास ॥ ॥ वना कानि ग्र अक्षानि ॥ रुंटा कायमास ॥ ॥ पठा  
लानि ग्र अक्षानि ॥ पालल कायमास ॥ ॥ कानव वरुलानि ग्र अक्षानि ॥  
कं काल कायमास ॥ ॥ पक्क कदली रुलानि गहारा ॥ पाकय रुडा तुलि  
मार्च वादाव काडी ॥ ॥ नागवल्ली दलानि मागधायानि पक्कानि गहा



॥ गुरु मयहिया पाक यहु उल्लिखिता ॥ ॥ अत्र निनिडीं मा विस्मय  
॥ अत्र नकुलसि सुमलमनमन ॥ ॥ नथे वरुंग वरुंग हारा ॥ अर्थ या  
ले काडा ॥ ॥ वराय जालि आनय ॥ कलिसल सयन काया वहिडा ॥ ॥  
अनाथ धिकं यद्यद्यस्तु नरु हारा ॥ थलिसुं उ पलं उल्लिखितु लिखन  
उल्लिखितु लिखिता ॥ ॥ निति पिता उ क मति पूजा वराय ॥ थनि ववून  
झासन लि कायनी झाल ॥ ॥ हापिन ४ उ न थां य दार्थनी स्मनरी कथी  
रु विद्यति ॥ हव वरु थनिस कलना वसु सुमन क मथ डि यिडा ॥ ॥

ननयुत ॥ ललके सति ॥ उ अ कायन थनि झाल ॥ ॥ यन ४ सुका ॥ थ  
न पिता आह ॥ हनं नमन ववून थाल ॥ ॥ अत्र मूर्ख क वलं गद रुयाया  
सि ॥ अत्र मूर्ख क वलं गदा हा ॥ थ ॥ ॥ अत्र मूर्ख मिना मला न हि उ क सि  
का गद सर्व समा लिख ॥ अत्र मूर्ख या नाय क सुसा रु न क या न स सकः  
सगी थाडा ॥ ॥ नमा ला क सर्व गद रुया ॥ उ या या न या उ लि हा या व सक  
सगी काडा ॥ ॥ निति उ का यन ऊ म द ॥ थनि काय या न झाल व हनं र्वं झाल  
न ॥ ॥ अत्र मम रु नि विरु वा जाल ॥ थनि डि उ का विस्मय रुला ॥ ॥ अह ह



ममश्रुतागिनः सर्वविश्वं न त्रामिलिनाः ॥ गथिदृष्टव किं श्रुतागम क्रया  
 सकलदृष्टि मूर्खमृकामिलयकल ॥ ॥ यथयं दृष्टं गमनं तत्रा नथयं मन्द  
 धीः ॥ ॥ गथयं दृष्टं गमनं तत्रा मिसा मूर्खं यं सर्ववृद्धि काय ॥  
 ॥ ॥ अनयाः संगदाषण कृतः ॥ यथा रुवन्मम ॥ धनि क्रया संगदाषण  
 गल कल्याण रुयिडाडि ॥ ॥ रुवतु मृकः पर्वतु स्फातु न गच्छत ॥ धरु  
 स आडानलिजा डि यान मरुता ॥ ॥ ॥ ॥ रुदीर्यं गमनीय लोवम  
 निकर्तु कांगतः ॥ थुनिखं ह्लादा व गी गमनीय न मनि कर्तु कासडान ॥

सकलगत्वा महायया गमन्वाथ ॥ डा क्वा कल अनमर्तु कासडादाव संक  
 ल्य मन्वाना यादाव ॥ ॥ यथविधि स्नानं विधाय ॥ विधिध स्नानयादा  
 व ॥ ॥ संध्या मनुष्ठितवान् ॥ संध्या यात ॥ ॥ रुदन नृत्तं रुगवर्तं यथ  
 दिनद्वयं ॥ संध्या पूनयुक्तिः ॥ डानं लि रुगवान् विष्कूया ह्लादकया  
 तुलिद्वय उयवान् पूजायादाव रुनं दन ॥ ॥ रुक्म कसया विरुद्धि  
 वाक्कली निमन्त्र ॥ अनं कृष्ण यावना मया क्वा क्वा यात निमन्त्रया  
 दाव ॥ ॥ पूनवर्द्ध मासाय संन्यासिनी म १० मरुतः ॥ रुनं द्याद सडादा



नीकनार्थरुला ॥ ॥ वाक्कायननरुलकसति ॥ वाक्कायननथुलिद्रासंलि  
 ॥ ॥ स्वामिनिर्ननायननानायननरुलक ॥ स्वामीपनिसननानायनन  
 नायननकधस ॥ ॥ नदार्थयूननूविवान ॥ डावलसथंवाक्कायनन  
 नीखंका ॥ ॥ स्वामिन० किंविदिरुपुकोमास्मि ॥ स्वामीकुकिनेवि  
 ननीयायकामनायादवाडाजि ॥ ॥ दलीवरुष ॥ दलीनका ॥ ॥  
 किंनदुयगा ॥ कुलायनडाकाडा ॥ ॥ सवून ॥ डाक्कायननका ॥ ॥  
 ग्रामनिगयमकुहिरिकार्थमागनचदहंकनकथोरुवामि ॥ ॥ नन



पत्रं यत्ति वर्ये नृपत ॥ उनीति यत्ति ॥ प्रष्टयनि सन काल ॥ ॥ अत्र नवका  
वाजातिः ॥ अथ कं कं जात ॥ ॥ स वृत्त ॥ उवाकन न धाल ॥ ॥ स्वामिना  
हं महा नाकुसि ॥ हस्वामी कि महा नाकु वा क्रम ॥ ॥ दली वलाय ॥ दली  
न काल ॥ ॥ नहि महा नाकु र्ग ॥ हं अस्माकं हि का अनी व ग क ॥ असा  
महा नाकु यनि क स डि यनी स हि का अनी य ग क थ का ॥ ॥ सा ख  
वीर ॥ उवाकन काल ॥ ॥ स्वामिनः समय मु जात ॥ हस्वामी वल  
जात ॥ ॥ नहि उक्ता न कल वी ॥ असा द का व विष्णाय मात ॥ ॥

मया सहैव श्रीमहि नाग न वी ॥ डि उ ना र्थ कल पा ल यनि विष्णाय मात  
॥ ॥ अथ क स हि स्वामि हि नृपत ॥ थ लि काल स लि दली स्वामिन काल ॥ ॥  
अत्र वा क्रम न व ग हं किय दूनी नि छ नि ॥ अत्र वा क्रम क न क गु सि या  
स ॥ ॥ कस्मिन् द द ॥ कि ॥ उ गु लि द्या ट स द ॥ ॥ यत्र व द नि वा क्रम ॥ ॥  
हर्न काल वा क्रम न ॥ ॥ स्वामिनः समय हं समी य ए व ॥ हस्वामी डि  
क स य नि लं थ का ॥ ॥ अथ क दली उक्ति न ॥ थ लि काल स लि दली  
दन ॥ ॥ दली क म गु ला दि की ग ही ला ॥ दली क म गु लू आ दि जा का



व॥ ॥ दली निष्ठी यस्तु॥ दलिन निष्ठा या न क्षल॥ ॥ अने निष्ठा  
त्वया अथ अने तस्तु यं॥ अने निष्ठा कथनि थने च॥ ॥ म० ह्यक्ता  
कृतापि न गतं यं॥ म० ना लता व गरीं उान मन॥ ॥ निष्ठा वदति॥  
निष्ठा न क्षल॥ ॥ स्वामिनः रिक्तां कृतापि न कर्तव्यं खल॥ ह स्वामी  
किं रिक्ता कृतं या न गरीं उान ल॥ ॥ अने किं वदति॥ अने कृत्वा  
क्षल॥ ॥ अथ कृतापि माग क॥ थनि गरीं उान मन॥ ॥ नु य  
थ का लिखति॥ अने वक्ति॥ ॥ न कं वरुन॥ न क॥ ॥ न द वरु

कलीयं॥ उ० ति न उ॥ ॥ ॥ ह्यक्ता दली वा क्लृप्ता यामो॥ थनि क्षा  
ता व दली वा क्लृप्ता उ॥ ॥ अने क्लृप्ता॥ हने उ॥ थनि निष्ठा॥ ॥  
न ह मा गतो॥ क्लृप्ता न क्लृप्ता उ॥ ॥ ॥ सा न क्लृप्ता मा गत्य॥ उ॥  
वा क्लृप्ता क्लृप्ता न उ॥ या व॥ ॥ अथ मा क्लृप्ता मा गत्य॥ काय सल न ल॥ ॥  
अने अहा कन भी धु मदि॥ अथ अहा कन न नान वा॥ ॥ स्वामिनी या  
दय काल नार्थ॥ स्वामिनी स उ॥ थि या यं कया क॥ ॥ उ॥ कं थदि॥  
सख वि॥ ॥ ॥ ह्यक्ता सति॥ थनि क्षा सति॥ ॥ न न गी र्थं उ॥ ल मा



नीर्ही॥ॐ न न न न न सख द ल ॥ ॥ नदाय ऊ मान ॥ॐ उ व ल स य ऊ मान  
न ॥ ॥ ह ह ह न स्वामि पा दो ष का ल्य ॥ थ उ ला हा नि न स्वामी द डी या  
उ नि नि यी सि न का व ॥ ॥ न र्द रु सा मि न स्य लू क्क ॥ॐ उ लि स र व न कः  
पा ल स हा या व ॥ ॥ पी ॐ स र्ने द ल वानु ॥ का य नि श्रा स न वि ल ॥ ॥  
स य स्वामी पी ॐ य त्रि उ य वि ष ॥ॐ उ क्क द डी का य नि स रू क उ ल ॥  
नदाय रु ऊ ना थ मा ग नां सि ना ॥ॐ उ व ल स य क्क य क्क हा ऊ न या य न  
उ या व द्वा न ॥ ॥ न स र्व पी ॐ य त्रि उ य वि ष ॥ॐ उ य नि स क र्त्त का य नि

स रू क उ ल ॥ ॥ न ना य ऊ मान ॥ॐ ह हा ल्य क न ग ल्वा ॥ॐ न र्ने सि य ऊ मान न  
द न उ हा व ॥ ॥ रु ग व ना वि ष ॥ॐ उ ॐ य वा र्ने दू ऊ र्ने क न वान ॥ रु  
ग वानु ग्री वि ष या डि म खू ना उ य वा न न य ऊ या न ॥ ॥ न ना य ऊ मान  
मान ॥ स र्व न्य नि ष रू नी न य थ य थ क्क न र्ने स नि व य ॥ॐ न र्ने सि य ऊ मा  
न र्ने य नि श्रा दि स क र्त्त य थ यो ग्य क्क न स रू क उ रू का व ॥ ॥ या ज नि  
ऊ ल दू वि ना नि द दो ॥ ना हा या स ख न या व वि ल ॥ ॥ य नि व यी य ॥ य  
नि ष्र व या न ॥ ॥ वि पू र्त्त र्ने रा य र्त्त दू ल वानु ॥ न उ ध रू क लि ला ल



पनलायावविस॥ ॥ अन्धसीवनेहायतासिदयो॥ भववा क्रमपनि  
 सं कलिललासयनलायावविस॥ ॥ यन्निपुरुनीनसर्वनिवाक्रम  
 न॥ यन्निश्रादिसकलंवाक्रमपनि॥ ॥ यथायवात्रेष्टंयुम्भ॥ यथा  
 पत्रात्रेष्टयायादाव॥ ॥ सर्वेषांवनरामदकमग्रहीत॥ सकलसर्व  
 नरामदककाल॥ ॥ नरुष्टिर्गुण्युवाच॥ उर्नलि कलोक्यानधाला॥  
 ॥ ॥ अयिप्रियकलावनि॥ अयिप्रियाकलावनि॥ ॥ अयो यन्निवर्था  
 य॥ कापी यन्निष्टुयानं॥ ॥ नदननं सर्वस्यावाक्रमरुष्टि॥ उर्न  
 ने

सि. सकलसंवाक्रमपनिस्तु॥ ॥ वक्रविधानिभूतानि पत्रिवर्गय॥ अ  
 नकयकात्रभूतसदियावविडा॥ ॥ नरुष्टिस्त्राक्रमी॥ उर्नलिष्ठाक्रम  
 वाक्रमीन॥ ॥ पायसानानि पत्रिवर्गवनी॥ किलजालसदियाववि  
 ल॥ ॥ ध्रुविका॥ ध्रुवि॥ ॥ नानाप्रकाशसिर्धुजनानि॥ अनकयका  
 रक॥ ॥ धर्नदुर्धदधि॥ धलदुर्धधलि॥ ॥ मलिनमुलोदनी॥  
 मलिकियाजा॥ ॥ धर्नरुक्तिनानकमकयजालिवा॥ धलयकालाश्र  
 नकमकपठवाडकनकर्त्री॥ ॥ सर्वसि पत्रिवर्गवनी॥ सक



[illegible]

दि सकल लोका लय ल ॥ ॥ सावका भग्या हा क र्थ ॥ वृत्त दू न रु पि व ॥ ॥  
 य डाय न न द्वा र्क ॥ ॥ उ उ लि न व य रु ल उ उ लि का सं वि द्वा दू न ॥ ॥ य  
 न न व न न न ल्या र्क ॥ ॥ उ उ लि स न वि म रु ल उ उ लि ना ल नि उ ॥ ॥ ए व म  
 व सर्व षी यार्थ ना स कान ॥ ॥ धू उ लि न व द न सक ल सं यार्थ ना यान ॥ ॥  
 न न स र्वे र्थ थान वि रु क्ता ॥ ॥ उ नी लि सक ल स र्ग वृत्त य रु ल स न या व ॥ ॥  
 स्वामि न र्ग व रु क्ता उ क्ति र्ग ॥ ॥ य नि द्वा य द्वा व द न ॥ ॥ न न ४ सर्व षी स रु  
 मुख य का ल नार्थ ॥ ॥ उ नी लि सक ल सं सा दान ना सि य यान ॥ ॥ उ द क



मदययन॥सखवियकल॥ ॥कनरमधनार्थमकैतादला॥साहान  
सिययानसाखलविल॥ ॥दररमधनार्थवयमलाकामदोययन॥  
दररुदिवाकलयानखविकावियकल॥ ॥ननीदलायुरुनयावा  
क्रमध॥डानीसिदलाग्रादिवाक्रययनि॥ ॥रुसमुखयादयकास  
नकला॥साहानक्रथुतिहियाव॥ ॥अगह्यादीनीसमनीकनव  
न॥ ॥अगह्यादियासमनयाग॥ ॥नरुवहत्यापयनि॥अनन  
उधककायनिस॥ ॥दलासुखहि॥दलासुखककउयावयान॥



॥ ॥ अथ विविजस्तु नमः ॥ भवयनि विविजस्तु नमः ॥ ॥ सुखं सि  
ना ॥ सुखं यान ॥ ॥ कदायजमानन ॥ अवसस्यजमानन ॥ ॥ स्वामि  
नामस्वस्त्यर्थ ॥ स्वामीदध्यामस्वस्त्यर्थ ॥ ॥ मृष्टिपविमिहल  
वंगनिदलानि ॥ कृष्णस्तवद्विस्त ॥ ॥ अथर्षा नाम्नेष्ट्यर्थ ॥  
भवयनिस्तु ॥ कलमवय ॥ ॥ दक्षिणं दत्त्वा ॥ दक्षिणं द्याव ॥ ॥ वि  
स्तुयामास ॥ ॥ विदाविस्त ॥ ॥ कस्तुस्तु ॥ ॥ अर्नलितायनिस्तुस्तु ॥  
॥ ॥ यजमानाय श्रीमिषं पुष्ट ॥ यजमानाय श्रीमिषदियाव ॥ ॥

स्वस्तिनिकर्तुं नमः ॥ ॥ यथायथा कस्तुस्तु ॥ ॥ कदायजमानन ॥ ॥ अर्नलि  
यजमानन ॥ ॥ यथायथा नस्तुस्तु ॥ ॥ दध्यामस्तुस्तु ॥ ॥ कदायज  
मानस्यपत्नी ॥ ॥ अवसस्यजमानय कस्तुस्तु ॥ ॥ रुष्टुस्तु ॥ ॥ श  
स्तुयामावस्तुस्तु ॥ ॥ सुर्वकार्यं यनिस्तु ॥ ॥ सुकस्तु ॥ ॥ कस्तु  
व ॥ ॥ यजमानाय ॥ ॥ कायनिस्तु ॥ ॥ रुष्टुस्तु ॥ ॥ ननानंता  
स्तु ॥ ॥ कस्तुस्तु ॥ ॥ अर्नताव ॥ ॥ विनयास्तु ॥ ॥ विनयनस्तु ॥



या न ॥ ॥ नदा स्वामिना सादरे दृष्टु ॥ ॥ आवलस स्वामी दक्षिण आदन पूर्व कनसा  
याव ॥ ॥ नाना यमना नाय लक्ष्मी ॥ ॥ नाना यमना नाय लक्ष्मी ॥ ॥ प  
श्चात्सा ॥ ॥ लियन सडावा मनी ॥ ॥ ॥ नून ॥ यून गता ॥ ॥ नून ॥ यून सडा न ॥ ॥  
नून ॥ स्वामिना उव ॥ ॥ अनिलि दक्षिण काल ॥ ॥ ॥ नून ॥ यून नव गृहिणी ॥ ॥ नून  
ध्वस्त कलान ॥ ॥ ॥ स्वामिन् ॥ यून यून साधु रुवति ॥ ॥ ॥ स्वामी ध्वस्त निष  
निवता रुव ॥ ॥ ॥ यज कलि रुव ॥ ॥ गता आका नहि नून ॥ ॥ ॥ उग वसं  
नि ॥ ॥ उग वान धक ॥ ॥ ॥ नून ॥ नि ॥ ॥ ॥ दक्षिण ॥ ॥ ॥ नदन दृष्ट ॥ ॥ ॥ उग लि

थ निरवदा ॥ ॥ ॥ स्वयं राग्यवानसि ॥ ॥ नून मराग्य मक रूव ॥ ॥ ॥ त्वला  
न्य ॥ कवि न राग्यवान ॥ ॥ ॥ उग यम वसु नि न राग्य मक मद्र ॥ ॥ ॥ स्वामिन  
सर्व रुवती प्रसादा रुवत ॥ ॥ ॥ स्वामी सुकली कलया लपति सप्रसादन ध  
का ॥ ॥ ॥ नून नव कलि नून यानि निरुक्ति ॥ ॥ ॥ नून नून उलि कायपनि दू  
स्वामिन ॥ ॥ ॥ कुमारी ॥ ॥ ॥ स्वामी निरुक्ति काय ॥ ॥ ॥ ॥ नून यानि निरुक्ति ॥ ॥ ॥ ध्वयनि नि  
कयी नाम क ॥ ॥ ॥ स्वामिन ॥ ॥ ॥ दक्षिण दिवा कन रुति नाम ॥ ॥ ॥ स्वामी ध्वक  
कया दिवा कन नाम ॥ ॥ ॥ कनिष्ठ स्य पुरा कन रुति नाम ॥ ॥ ॥ काका लि क



या. यरा क न नाम ॥ ॥ एता र्यां किं विद्युधन ॥ धनि क्रम नै कृद्वि नै श्राख स  
 सद सा ॥ ॥ स्वामिनः किं विद्या क नै य धन ॥ ह स्वामी रुति या क न स न ॥  
 ॥ ॥ का र्यं य धन ॥ का र्यं स न ॥ ॥ का र्या दि कं य ठि नै व रू न ॥ का र्य श्रा दि  
 स रू न या द ॥ ॥ त्वं य नै रा ग्य वा न सि ॥ कृ प न म रा ग्य म न ख ड ॥ ॥  
 ए न या वि वा हा जा ना वा ॥ ध प नि नि क्र म् यं वि वा ह धू ना ला ॥ ॥ अ र्थ  
 जा न ॥ ध क क या धू ना ॥ ॥ क नि ष्ट या धि मा र्थं का न य ॥ क नि ष्ट म् यं  
 न ना नै या न कि ॥ ॥ ह स्वामिनः श्री म नी कृ प या सर्व रु वि श्रु ति ॥ ह स्व

न ३

मी कृ स या स प नि स क या न स क नी रु पि डा ॥ ॥ अ न र व पि ना ॥ अ य  
 क न व व ॥ ॥ वा ना रा सी लु क्ता ॥ वा ना रा सी ना स ना डा ॥ ॥ ए मे उ द  
 ॥ अ क व र्थ य र्थ नै ॥ ए मे उ द रा स अ न क व र्थ नै ॥ ॥ कि म र्थं हि न ॥  
 का य या न ॥ ॥ ह स्वामिनः विद्या र्था सार्थं हि न ॥ ह स्वामी विद्या या  
 श्रु या स या य न का न ॥ ॥ न हि का र्थं श्रु ध य नै न रु व नि किं ॥ अ सा का  
 गी स श्रा ख ल स नै म द सा क ॥ ॥ न रु व नि क न रु व नि ॥ म द कृ या  
 द र्थे ॥ ॥ ह स्वामिनः म या धि किं वि नु म र्थ नै ॥ ह स्वामी डि नै वि रु



य श्रुत्या सयादा ॥ ॥ किं किं मरुत्तं त्वया ॥ कू कू श्रुत्या सयादा कन ॥ ॥  
हस्तामिनः सया श्रायो ॥ हस्तामीजिनः कायी ॥ ॥ यं वयं कन सन्यधी  
नानि ॥ दा तु सिय कन सदा ॥ ॥ नरः विना मरि त्रधी नः ॥ ॥ उ नैति  
विना मरि सदा ॥ ॥ यथा नृ निना मरि त्रस्य सु ॥ ॥ सिय नृ स निना म  
रि सदा ॥ ॥ नृ नृ मथ नाना थी श्रुधी न ॥ ॥ उ नैति मथ नाना थी स  
दा ॥ ॥ ॥ राथा नया कन स मधी न ॥ ॥ राथ यथ नया कन स मधी न ॥  
॥ ॥ मी मी साया मपि श्रुध यनै वल न ॥ ॥ मी मी सा स श्रुध यन सादाः

नयाद ॥ ॥ श्रुत्य कि मधी न ॥ ॥ मव नृ कू सदा ॥ ॥ ॥ श्रुत्या द मपि काः  
षाः यठि ना वल न ॥ ॥ कि मया तु रिं का ष सदा नयाद ॥ ॥ ॥ कं दा रं का  
ननाट कादि ॥ ॥ कन श्रुती का ननाट क आदि ॥ ॥ साहित्या नि यठि नानि  
वल न ॥ ॥ साहित्य सदा नयाद ॥ ॥ ॥ आनि ष वि ममा त्या साति ॥ ॥ आनि ष  
सं कि श्रुत्या सदा ॥ ॥ ॥ वेद्य क वि यत्रि प्र मा वि हि नः ॥ ॥ वेद्य म सु सं यत्रि  
प्र मयादा ॥ ॥ ॥ सी गी न वि रु त्रि यत्रि प्र मा वल न ॥ ॥ सी गी न म सु सं य  
का यत्रि प्र मदा ॥ ॥ ॥ त्वया सर्व मधी न वेदा ना थी नः कि ॥ ॥ कन सक



नीसन वदमसदासाः ॥ ॥ गिवगिवस्वामिनः ॥ गिवगिवस्वा  
मी ॥ ॥ वदविनावाक्कलत्वं कुरु ॥ वदविनानवाक्कलत्वं गग ॥  
वाक्कलनामादोवदाध्ययनं ॥ वाक्कलपनिसुम्नादिसं वदसन ॥ ॥  
महिकान्वदानधीनवानसि ॥ मृसाकू वदसदाकून ॥ ॥ अण्वदयश  
वदसामवदाध्वर्यसः ॥ अण्वदयशवदसामवदमृथर्वगवदं ॥  
वत्तानावदाध्वर्यना ॥ योउलिं वदसदा ॥ ॥ षठंगयदकुमसहि  
ना ॥ योउलिं श्रीग यदकुमसहितन ॥ ॥ एववाहसि सम्यक् ॥ मृ

थला मृसाहिठ ॥ ॥ मृगकुरुलोउदग ॥ मृगमृगलोउदगस ॥ ॥  
कानिकानिनीधर्वलन ॥ कुरुनीधर्द ॥ ॥ हस्वामिनः गंगसागन  
नीधर्वलन ॥ हस्वामी गंगसागननीधर्द ॥ ॥ कमात्रिका कुरुवर्ल  
न ॥ कमात्री कुरुद ॥ ॥ कमात्रिका दवीवर्लन ॥ कमात्री दवीद ॥  
वृक्षयूतनदसिष्ठि ॥ वृक्षयूतनदद ॥ ॥ कामाख्या दवीवर्लन ॥ का  
माख्या दवीद ॥ ॥ एववा ॥ अथला ॥ ॥ मृन्यदिनिष्ठं किंवमुजाय  
न ॥ भवनाहिठ ॥ प्रवमुकृत्यनरुडा ॥ ॥ हस्वामिनः यदवमु



नि विविजलि ॥ ह स्वामी पाठउसरु विठविविठ ॥ ॥ श्रमूल्या निवर्त  
नं ॥ मूलमदूमदू ॥ ॥ नथ सर्वानिधन्या निरुवनि ॥ मूलं सकनाज  
नं वीं अनदू ॥ ॥ अनकावी हयारुवनि ॥ अनकजानवी हिंदू ॥ ॥ म  
धूम ॥ का ॥ ॥ यवा ॥ नका ॥ ॥ वलका ॥ काला ॥ ॥ माषा ॥  
मास ॥ ॥ मूना ॥ मूना ॥ ॥ मसूना ॥ मसूना ॥ ॥ नाऊमाषा ॥ य  
समास ॥ ॥ कलका ॥ कोलन ॥ ॥ निला ॥ रुवनि ॥ हामल उत्यन  
रुडा ॥ ॥ यथका मृत्ति समीचीना जायन ॥ वडि मृत्ति हिंदू ॥ ॥

मर्कना मृत्ति मरुता वलन ॥ साखस मृत्ति नहिंदू ॥ ॥ दग्ध समीचीन व  
लन ॥ इंदू हिंदू ॥ ॥ दधि समीचीन रुवनि ॥ धलि हिंदू रुव ॥ ॥ दूध समी  
चीन वलन ॥ दूध हिंदू ॥ ॥ निला निवर्त विधन निरुवनि ॥ वकन अनक  
युका नदू ॥ ॥ निलनैल ॥ हामल वकन ॥ सर्वयनैल ॥ नलका वकन ॥ ॥  
सर्वयनैल ॥ नल वकन ॥ ॥ अनसीनैल ॥ निलि वकन ॥ ॥ यन नैल ॥  
मूल लवकन ॥ ॥ कसूम नैल वजायन ॥ खानया वकन उत्यन रुडा ॥ ॥  
नाना विध ॥ मकारुवनि ॥ नाना युका न मकारुवक उत्यन रुडा ॥ ॥



अनेक विधा वृक्षा वर्तन्ते ॥ अनेक प्रकारे सिमा दू ॥ ॥ आसु वृक्ष ॥ अय  
 मा ॥ ॥ यनसु वृक्ष ॥ रुनसिमा ॥ ॥ नात्रिकलन ॥ नलिकलसिमा ॥ ॥  
 कसूक वृक्षा वसव ॥ सुनि ॥ ययमा ॥ का दू ॥ ॥ वरु विधा ॥ कदल्य ॥ य  
 नि ॥ अनेक जात ॥ मायमा ॥ दू ॥ ॥ वदनी वृक्षा ॥ वयससिमा ॥ ॥ जं वृ  
 का ॥ सुनि ॥ जं पसिमा दू ॥ ॥ दाठिमी वृक्षा ॥ यसनि ॥ धंलसी दू ॥ ॥ ध  
 जी वृक्ष ॥ अयसमा ॥ ॥ अयवृक्ष ॥ उलंगनमा ॥ ॥ उदमवृक्षा  
 ॥ वर्तन्ते ॥ दू वससिमा दू ॥ ॥ नयप्रध वृक्ष ॥ उलसिमा ॥ ॥ दवदा



नन ॥ दवदालथसि ॥ ॥ पकटी वृक्षा ॥ सुनि ॥ पिलागसिमा दू ॥ ॥ अ  
 यमक वृक्षा ॥ सुनि ॥ अयमकलानमा दू ॥ ॥ वयक वृक्षा ॥ सुनि ॥ वं य  
 खानमा ॥ दू ॥ ॥ सुनलननवा वरु वर्तन्ते ॥ यसिमा ॥ का दू ॥ ॥ मलवृक्षा  
 ॥ सुनि ॥ सिमिमा दू ॥ ॥ मलवृक्षा वदवा वर्तन्ते ॥ मलसिमा ॥ का दू  
 ॥ ॥ पलाग वृक्षा ॥ सुनि ॥ लाहासिमा दू ॥ ॥ विहीनक वृक्षा ॥ सुनि  
 ॥ वललसमा दू ॥ ॥ अरुया वृक्षा ॥ सुनि ॥ हलसमा दू ॥ ॥ रुलाठ  
 क वृक्षा ॥ सुनि ॥ वालालमा ॥ दू ॥ ॥ उलस वृक्षा ॥ वर्तन्ते ॥ उलसमा



३॥ ॥कर्नकुवकाःसंति॥कर्नकुमाद॥ ॥वहवानागकगनवका  
॥वर्लक॥॥काणागकगनमाद॥ ॥अथयिननवावदुविधवर्ल  
क॥भवनीसिमासुकासूनकजाकद॥ ॥अपामाग्नःसंति॥अपामाग्न  
३॥ ॥नगनवकाःसंति॥नज्ञायमाद॥ ॥रुंगमाजाःसंति॥हिसाय  
३॥ ॥अर्काःवर्लक॥असकपागमाद॥ ॥मासनासनावर्लक॥जि  
ल्लानमाद॥ ॥पिपलीसनाविद्यन॥पिपिसिमाउखीद॥ ॥उर  
वीसनासुक्ति॥उसउउखीद॥ ॥नागवज्रीसनाविद्यन॥ग्वलमा

३॥ ॥कन्दपूष्यानिवर्लक॥वाहाल्लानद॥ ॥पाटलीकसूमानिव  
विद्यन॥पाटलीत्वानंद॥ ॥कनवीनपूष्यानिर्लक॥कनदल्लान  
३॥ ॥रुकावापिसंति॥कस्यासदं३॥ ॥नयावक्षस्त्रिनि॥खसी  
काद॥ ॥पूर्वसमूहासि॥पूर्वसमूहद॥ ॥रुगीनथीगंगवर्लक॥  
रुगीनथीगंगद॥ ॥अन्यानिवदुविधानि॥भवसूनकपुकाव॥ ॥  
सनासिविद्यन॥सनावनद॥ ॥यक्षत्रिग्वःसंति॥यखसिद॥ ॥  
नासुनानाविधानि॥उपखसिसनानापुकाव॥३॥ ॥ऊलजानिर्लक॥ल



खसउत्पन्नरुडास्वानदू॥ ॥सहस्रपञ्चानिकमलानिर्हन्ति॥दासकिहलद  
पलस्वानदू॥ ॥भक्तपञ्चानिकमलानिर्हन्ति॥सकिहलदयलस्वानदू  
॥ ॥नीलायलवल्लभ॥उरुलस्वानदू॥ ॥कमूदवल्लभ॥वडालस्वान  
दू॥ ॥वकायलवल्लभ॥झाउवडालदू॥ ॥रुवद्विध४यः  
कि४संति॥अनपूरुसिस्तन्नकजातमंगलघनिदू॥ ॥हंसा४  
विद्यन॥नाऊहंसदू॥ ॥वकवाका४संति॥वकवादू॥ ॥मयूना४  
विद्यन॥झयखादू॥ ॥वकानाविद्यन॥वकानदू॥ ॥सानिकावल्ल

न॥मयनादू॥ ॥कायद्विकलिष्ठनि॥निहितारुदू॥ ॥पावावगाव  
हवीवल्लभ॥वल्लभन॥कादू॥ ॥उल्लकायवल्लभ॥उल्लखीदू॥ ॥  
वटकाश्रपिवल्लभ॥वल्लभन॥दू॥ ॥वनककूटाविद्यन॥गुंखा॥का  
दू॥ ॥ककूटा४संति॥खादू॥ ॥रुथवल्लभविधया४संति॥अथ  
॥काश्रनकजातधूदू॥ ॥वनमहिषावहवावल्लभ॥वनमस॥  
कादू॥ ॥वषरावहवावल्लभ॥दाहल॥कादू॥ ॥गवावह  
काविद्यन॥सा॥कादू॥ ॥महिषावह४संति॥मामस॥कादू॥



खज्ञावहवाविद्यन॥गंलमस७काइ॥ ॥जंरुकाश्रुपिवहवावलंन  
॥धसं७काइ॥ ॥अनकविधमममवलंन॥अनकजानवलाइ॥  
रुल्लका१कि॥हासइ॥ ॥मर्कटाश्रुवहव०संनि॥माकसं७काइ  
॥ ॥गजाश्रुवहव०संनि॥किंसि७काइ॥ ॥अश्रुवहव०संनि॥सं  
स७काइ॥ ॥उकुाश्रुवहव०संनि॥उटं७काइ॥ ॥अजा०व  
क०संनि॥वासस७काइ॥ ॥मषावहवावलंन॥रुसि७काइ॥ ॥  
सर्पावहवाविद्यन॥वि७काइ॥ ॥मूषकावहवाविद्यन॥कृ७

काइ॥ ॥अन०संनि॥खिवा७काइ॥ ॥मक्रिका०संनि॥हाडिन७काइ  
॥ ॥मगकावहवाविद्यन॥यंनि७काइ॥ ॥मत्कुलवहवावलंन॥  
टंस७काइ॥ ॥अमना०संनि॥रुमल७काइ॥ ॥विद्योलिकावह  
वावलंन॥सयानि७काइ॥ ॥नदीषुजलजुनवापिवहवाविद्यन  
॥खसीसजलजुं७काइ॥ ॥मस्यावरुविधवलंन॥हाअनक  
जानइ॥ ॥कूर्माविद्यन॥कायल७काइ॥ ॥नकावहवावलं  
न॥हिनिर्मगल७काइ॥ ॥कर्कटकावहवाविद्यन॥ककलि७



काद॥ ॥ उलोकावरुन॥ याद॥ ॥ अथ विठ्ठल उक्तवावहवः संति  
॥ भवताजानं कलजनु उकाद॥ ॥ केवहकासु रु संति॥ मप्रियनि अ  
नद॥ ॥ वरु विधुजनासु वसुनि॥ अनकजाननयनि अनग  
उदगस वसुसयाववाह॥ ॥ वाक्कम वहवावसुनि॥ वाक्कगयनि  
उकावसुसयाववाह॥ ॥ रुठिया वहवावसुनि॥ रुठिययनि उ  
कावसुसयाववाह॥ ॥ वैश्व वहवावसुनि॥ वैश्वयनि उकावसुस  
याववाह॥ ॥ मूडा वहवावसुनि॥ मूडयनि उकावसुसयाववा

उऊना वहवाविद्यन॥ उऊनादिपनि उकावाहद॥ ॥ काकुटा वह  
वाविद्यन॥ काकुटदशययनि उकाद॥ ॥ महानाकुलिष्ठनि॥  
महानाकुपनि वाहद॥ ॥ दाविठ वहवावरुन॥ उविठदशय  
नि उकावाहद॥ ॥ कान्यकूटा वहवावसुनि॥ कनीउदशय  
नि उकावसुसयाववाह॥ ॥ माथूनासुठिष्ठनि॥ मथूत्रिया  
पनि अनवाहद॥ ॥ पाश्यात्वालिष्ठनि॥ पश्चिमदशययनि वाहद॥  
मगधयावसुनि॥ मगहियापनि वसुसयाववाह॥ ॥ मेधिसाव



[illegible]

५॥ ॥ स्वर्गुका नाः संनि ॥ स्वना नयनि एका दू ॥ ॥ वशिष्ठ किं नि ॥ वशि  
यापनि आ दू ॥ ॥ यवना वरुन ॥ मसलमान एका वा दू ॥ ॥ नाप  
सावहवः संनि ॥ नयस्वीयनि एका दू ॥ ॥ वेदिनः संनि ॥ रागयनि दू  
॥ ॥ नरुका वहवः संनि ॥ नटवापनि एका दू ॥ ॥ हस्वामिनः किं वरु  
वकथी ॥ हस्वामी दू श्रया लझाय ॥ ॥ पृथिवीं यवि निष्ठा ॥ पृथि  
वी सयुगुलि विनिष्ठा ॥ ॥ पदार्थ वरुन ॥ पदार्थ दया ववान ॥ ॥  
न सर्व न उ विमन ॥ उगुलिस कनी श्रुन गे उ स दू ॥ ॥ एव वा ॥ अथ



ला ॥ ॥ नहिं श्रीसुमीवीनादः ॥ अरुवति ॥ असाचाकनेहि ददगः रुधि  
डा ॥ ॥ नहिं मयापि एकवारं गनव्यं नत ॥ असातिने कृया लुता नमा  
सुअन ॥ ॥ गंगसागने साने विधाय ॥ गंगसागने सानयादाव ॥ ॥  
आधून्धारुमस्य दर्शनं ॥ आधून्धारुमया दर्शनं ॥ ॥ कर्तुमिच्छावर्त  
न ॥ आधून्धारुयावधानं ॥ ॥ वातुमार्त्यं विधाय ॥ वीमासाधूनकाव  
॥ ॥ गमनं सुमीवीनं ॥ गमनं उत नहिद ॥ ॥ एवैरुवतु ॥ पथं पथं रुल ॥  
॥ ॥ नहिउक सुति ॥ थनि क्लासं लि ॥ ॥ रुयायजमानउवाव ॥ हनेयज

मानन क्लास ॥ ॥ हस्वामिनः रुवर्गं पूर्वाग्रम ॥ हस्वामी क्लसया लयनि  
स कृयाया आग्रमस ॥ ॥ कावाग्रमः ॥ उतुलियम ॥ ॥ अग्रपूर्वाग्रम  
असाकं ॥ अग्रकृयाया आग्रमस कियनिस ॥ ॥ कसुठिकदगः वंजी  
ग्रमः ॥ कसुठिकदगः स वंजी धया उलियम ॥ ॥ एवैवा नहि पूर्वाग्र  
मं श्रीमती ॥ अथला असा कृयाया आग्रमस क्लसया लयनिस ॥ ॥ कावाव  
लिः लिः ॥ कृ वलि रुयावधानं ॥ ॥ लि कृ वलि वं गृह कृ वलि वं ॥ ॥  
लि कृ वलि ला गृह कृ वलि ला ॥ ॥ अग्रनलि मयिमापकस्य ॥ अग्र



उत्तुलिकु खिनं धनमन ॥ ॥ न किमपि वक्तुं नासहृदं ॥ उत्तुलिकु खिनं  
कायमरुयाजिं ॥ ॥ न हि स्वाभिने ॥ मन ह ह्यामी ॥ ॥ मम अमुमिच्छा  
वर्तु ॥ जि धनया न कृच्छा दन ॥ ॥ अथ मव ॥ धनक मास ॥ ॥ अग यव  
अम मया ॥ अय कया या अय मस कि ॥ ॥ यवसा यव ह्या किं ॥ यवसा  
यव हिन वादा ॥ ॥ यदा दि ली ग्वन स्य अमा ल्य ॥ ॥ यव सस दि ली ग्वन  
याम ली ॥ ॥ असु रवान नृ नि न स्य यू ॥ ॥ असु रवान नाम उया काय  
॥ ॥ उत्तु रवान न स्य द ॥ ॥ उत्तु रवान नाम उा ल्य वल स ॥ ॥

दिग्विजयार्थ मागन ॥ दिग्विजयया न उा ल ॥ ॥ न दान स्य नि कट मया ॥ उा वल उा  
यानि कट स किं ॥ ॥ रु नि दि व स प र्थ नं यव किं ॥ ॥ का दिन य र्थ न वादा  
॥ ॥ न दान स्य नि कट ॥ उा वल स कि य नि स हि न ॥ ॥ सह स द य म य  
वादा ॥ ॥ न दान स्य नि कट ॥ उा वल स कि य नि स हि न ॥ ॥ सह स द य म य  
॥ ॥ जि दा ल या उा या दा सि पा यी ॥ ॥ व लानि म द नि ना वल न ॥ ॥ यी य  
क कि सि द ॥ ॥ व ह वा उ द्वा ॥ ॥ का उ ट ॥ ॥ व ह वा न थ व ल न ॥ ॥ का  
न थ द ॥ ॥ न दान स्य नि कट ॥ उा वल स कि य नि स हि न ॥ ॥ सह स द य म य







न किं व क र्थं ॥ अउ लि क्क डाय ॥ ॥ यऊ नं नऊ नं ॥ मुउ लि क्क डाय ॥  
उ न ॥ ॥ लव व ल ल्म न र्ण ॥ क्क डाय ॥ अया स्म न र्ण ॥ ॥ अ न प र्व म म ग  
ह ॥ अ य ड य अ क्क डाय ॥ ॥ अ न ल्म वा क्क डाय न र्ण अ यि ल्म ॥ अ ल न ल व  
क्क डाय नि र्ण न य न क व ॥ ॥ म य अ ड य न ॥ अ न य ॥ ॥ व क्क डाय  
क र्थं ॥ अ य ल क्क डाय ॥ ॥ प न्थ न प न्थि म व य सि स र्व ल्म ॥ अ य न  
स अ य ल व य स स स क ल न न ल न डाय ॥ ॥ म य द ड य ह र्ण क र्ण ॥ अ न  
द ड य ह र्ण य डाय ॥ ॥ अ व मा दी नि व ल न क नि प र्व र्ण र्ण ॥ अ य नि व ल

न र्व क्क डाय अउ लि ॥ ॥ अ क्क डाय अउ लि ॥ अ क्क डाय व द न द डाय ॥ ॥ यऊ  
मा न पि नं प र म य ॥ यऊ मा न र्ण अ क्क डाय अउ लि य अ न म य डाय ॥ ॥ ह ल्म मि  
न र्ण र्ण म र्ण ॥ ह ल्म मि अ र्ण पि क्क डाय ॥ ॥ अ क्क डाय वि स र्ण य मा स  
॥ ॥ अ सि धा य व अ क्क डाय अउ लि य न वि दायि ल ॥ ॥ अ सि ना पि ना य र्ण न  
ना य र्ण ल्म ॥ अ सि न ना य र्ण न ना य र्ण ध क ध य डाय ॥ ॥ अ ड क म  
अ ल्म दि क र्ण र्ण ॥ अ ड क म अ ल्म अ दि अ डाय ॥ ॥ अ म १० र्ण ॥  
अ ड म १० र्ण ॥ ॥ अ द न क र्ण अ पि व क्क डाय ॥ अ न लि अ क्क डाय



मनी ॥ ॥ पवित्रावेभसहिनाउकवानु ॥ पवित्रानसुहितनमरुवावसाऊन  
 यान ॥ ॥ नदनननरीदिवसुययत्कार्य ॥ अनलि किनसुउसुसिउउति  
 कार्य ॥ ॥ नरुल्लेला ॥ उउसिउउसियाडाव ॥ ॥ सार्यकालसंध्यावन  
 नकनवालाकनशासनिसवसस.संध्यावननयानबाकनन ॥ ॥ ॥  
 निशादृदिनाऊकविविनवितागीबीनवाग्मजीनीसमाका ॥ ॥ ॥

गीर्वाण वाग्मजी

ने. भा. स.

Page 35

22 x 8.5